



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, ६ जुलाई, १९९६/१५ आषाढ़, १९१८

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

मण्डी, २० जून, १९९६

संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०-ए(५) ९२/९४-१४६५-१४७०.—यतः खण्ड विकास अधिकारी, सुन्दरनगर ने इस कार्यालय को यह सूचित किया है कि ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत कपाही द्वारा उन्हें यह सूचित किया गया है कि श्री प्यार सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कपाही द्वारा जब वे पहले ग्राम पंचायत कपाही के प्रधान थे तो उन्होंने पंचायत की धनराशि एवं खाद्यान्न विकास कार्यों हेतु खण्ड विकास कार्यालय, सुन्दरनगर से प्राप्त करके उसका हिसाब बार-बार मांगने पर भी नहीं दिया। प्रधान, युवक मण्डल डोडर कपाही, तहसील सुन्दरनगर ने भी प्रधान, ग्राम पंचायत कपाही के विरुद्ध एक प्रतिवेदन खण्ड विकास अधिकारी, सुन्दरनगर को डोडर पुली का निर्माण कार्य न करने बारे दिया।

और यह कि उक्त आरोपों की पुष्टि के लिए खण्ड विकास अधिकारी, सुन्दरनगर द्वारा पंचायत निरीक्षक सुन्दरनगर तथा कनिष्ठ अभियन्ता से पंचायत अभिलेख तथा निर्माण कार्यों का निरीक्षण करवाया जिसके अवलोकन से यह पाया कि प्रधान ग्राम पंचायत कपाही द्वारा विकास कार्यों की राशि एवं खाद्यान्न सामग्री का दुरुपयोग किया है।

1. यह कि विकास खण्ड अधिकारी, मुन्दरनगर के कार्यालय पत्र संख्या 3277-81, दिनांक 27-7-1993 के अनुसार 9.89 क्विंटल गन्धम 3.30 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से कुल लागत 3263.70 रुपये तथा चावल 7.25 क्विंटल 4.37 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से कुल मु0 3168.25 रुपये, कुल मु0 6431.95 रुपये खाद्यान्न सामग्री प्राथमिक पाठशाला कपाही के निर्माण हेतु दी गई थी, जिसका कोई भी हिस्सा प्रधान ग्राम पंचायत ने न देकर मु0 6431.95 रुपये की राशि का स्पष्ट दुरुपयोग किया है।

2. यह कि जवाहर रोजगार योजना निरीक्षण पत्र आपति 26(5) अनुसार खण्ड विकास अधिकारी, मुन्दरनगर के पत्र संख्या शून्य, दिनांक 23-3-1993 के अनुसार 7 क्विंटल गन्धम मु0 341.45 रुपये प्रति क्विंटल की दर से मु0 2390.15 रुपये तथा 5 क्विंटल चावल मु0 536.13 रुपये प्रति क्विंटल की दर से कुल 2680.65 रुपये, कुल लागत मु0 5070.80 रुपये की खाद्यान्न सामग्री प्रधान ग्राम पंचायत कपाही को विकास कार्य हेतु दी थी, जिसका कोई भी हिस्सा प्रधान ने पंचायत में न देकर मु0 5070.80 रुपये की राशि का दुरुपयोग किया है।

3. यह कि जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत निर्मित विकास कार्य देरडू पुली निर्माण पर वर्ष 1993-94 में 1778/- रुपये व्यय रोकड़ दर्ज है परन्तु मौके पर कोई कार्य नहीं हुआ है। कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा 24-8-1994 को प्रेषित रिपोर्ट के आधार पर मौका पर 6' लम्बा तथा 3' व्यास का आर0 सी0 सी0 पाईप नाले में रखा पाया जोकि स्थानीय जनता द्वारा स्वयं मुन्दरनगर कमेटी से लाया बताया गया। इस प्रकार इस मद पर 1778/- रुपये का फर्जी व्यय डालकर प्रधान द्वारा राशि का स्पष्ट अपहरण पाया गया है।

4. यह कि जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत निर्मित विकास कार्य डोडवां पुली निर्माण पर वर्ष 1993-94 में 2832/- रुपये व्यय रोकड़ दर्ज थे जबकि कनिष्ठ अभियन्ता द्वारा 24-8-1994 को मूल्यांकन करने पर कुल लागत 1659/- रुपये बनते हैं। इस प्रकार मु0 1173/- रु0 का फर्जी व्यय रोकड़ में डालकर प्रधान पंचायत द्वारा इस राशि का स्पष्ट अपहरण पाया गया है।

5. और यह कि डोडवां पुली निर्माण पर वर्ष 1993-94 में मु0 2633/- रुपये व 1994-95 में मु0 5811/- रुपये, कुल मु0 8444/- रुपये का व्यय रोकड़ में दर्ज पाया गया जबकि मौके पर कोई भी कार्य नहीं हुआ है केवल मात्र पुराने ढह गए पुल का एक पाया ही मौजूद पाया जोकि आधा टूट चुका था। प्रधान ग्राम पंचायत द्वारा मौका पर बताया गया कि इस कार्य हेतु एक टाली रेत तथा दो टाली बजरी कपाही सड़क पर फैकी थी लेकिन मौके पर कोई भी सामान नहीं पाया गया। इस प्रकार इस मद पर मु0 8444/- रुपये का फर्जी व्यय डालकर राशि का स्पष्ट अपहरण किया गया प्रतीत होता है।

6. और यह कि भारत की जनवादी नौजवान सभा के उपाध्यक्ष राज्य इकाई हिमाचल प्रदेश ने आरोप लगाया कि श्री प्यार सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कपाही ने गत अवधि में दिनांक 1-11-1995 को जिला कल्याण अधिकारी, मण्डी से मु0 3750/- रुपये वार्ड डोडवां में विकास कार्य हेतु प्राप्त किए जिसका पंचायत के रिकार्ड में कोई उल्लेख नहीं है। इस प्रकार उक्त श्री प्यार सिंह ने मु0 3750/- रुपये का स्पष्ट दुरुपयोग किया है।

और यह कि श्री प्यार सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत काड़ी ने सरकारी धन का दुरुपयोग किया है तथा ऐसे व्यक्ति का प्रधान जैसे महत्वपूर्ण पद पर बने रहना जनहित में नहीं जान पड़ता।

अतः मैं, तरुण श्रीधर, उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 में निहित है, श्री प्यार सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत काड़ी, विकास खण्ड मुन्दरनगर को आदेश देता हूँ कि वह कारण बताएँ कि क्यों न उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 145(2) के अन्तर्गत प्रधान पद से निलम्बित किया जाए।

उन्हें यह भी आदेश देता हूँ कि वह अपहृत राशि 18 प्रतिशत वाणिज्य दर व्याज सहित ग्राम पंचायत कपाही के लेखा में 7 दिन के भीतर-भीतर जमा करवाएँ। उनका उत्तर इस कारण बताओ नोटिस के जारी होने की दिनांक से 15 दिनों के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी सुन्दरनगर के माध्यम से इस कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए अन्यथा आगामी कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जाएगी।

तरुण श्रीधर,
उपायुक्त, मण्डी,
जिला मण्डी, (हि0 प्र0)।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, उपमण्डलाधिकारी (ना0), सुन्दरनगर

सूचना

सुन्दरनगर, 20 मई, 1996

संख्या एस0एन0आर0(पंच)(इलैक)/95.--हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 के नियम 32(4) के अन्तर्गत जिला मण्डी में विकास खण्ड सुन्दरनगर में पंचायतों के उप निर्वाचन के संचालनार्थ मतदान केन्द्रों की सूचना जनसाधारण की जानकारी के लिए निम्न सारणी अनुसार अधिसूचित करता हूँ:—

सारणी

क्रम सं0	ग्राम पंचायत का नाम	भवन जिसमें मतदान केन्द्र स्थापित किया गया है	निर्वाचन क्षेत्र का नाम व संख्या	मतदाताओं की कुल संख्या
1	2	3	4	5
1.	छातर	1. प्रा0पा0 छातर	1. छातर-1 2. छातर-2 3. छातर-3	870
		2. प्रा0पा0 साई	4. साई-1 5. साई-2 6. साई-3 7. साई-4	633
2.	कनैड	1. व0मा0पा0 कनैड	1. कनैड-1 2. कनैड-2 3. कनैड-3 4. कनैड-4 5. कनैड-5 6. कनैड-6 7. कनैड-7 8. भौर-1 9. भौर-2 10. भौर-3 11. भौर-4	2507

1	2	3	4	5
3.	डूगराई	1. मा0पा0 डूगराई	1. डूगराई-1 2. डूगराई-2 3. डूगराई-3 4. डूगराई-4 5. डूगराई-5 6. डूगराई-6 7. डूगराई-7	1369
4.	महादेव	1. प्रा0पा0 नीलखा	1. चौक-1 2. चौक-2 3. चौक-3 4. चौक-4	751
		2. प्रा0पा0 धनोट	5. महादेव-1 6. महादेव-2 7. महादेव-3	633
		3. पं0 घर महादेव	8. महादेव-4 9. महादेव-5 10. महादेव-6	597
		4. रा0उ0पा0 महादेव	11. घांघल-1 12. घांघल-2 13. घांघल-3	689
5.	अपर वैहली	1. प्रा0पा0 अपर वैहली	1. निचली वैहली-1 2. निचली वैहली-2 3. निचली वैहली-3 4. अपर वैहली-1 5. अपर वैहली-2	1014
		2. पं0 घर अपर वैहली	6. हरवाणी-1 7. खतरवाड़ी-1	339
		3. प्रा0 पा0 खतरवाड़ी	8. खतरवाड़ी-2 9. खतरवाड़ी-3	449
8.	जयदेवी	1. रा0उ0पा0 जयदेवी	1. बोढल-1 2. जयदेवी-1 3. जयदेवी-2 4. प्रेछी	859
		2. रा0 प्रा0 वा0 स्यांजी	5. चिरठी 6. स्यांजी	401

1	2	3	4	5
		3. रा0प्रा0पा0 घरटोली	7. क्यारसी	196
7.	पलौहटा	1. प्रा0पा0 पलौहटा	1. नेरी-1	558
			2. नेरी-2	
			3. पलौहटा-1	
		2. पटवारखाना सेरढ	4. पलोहटा-2	410
			5. सेरढ	
		3. प्रा0पा0 चान्दडू	6. चन्दडू-1	267
			7. चान्दडू-2	
8.	घीडी	1. पटवारखाना फगवायों	1. भलाणा	246
		2. प्रा0पा0 फगवायों	2. फगवायों	
			3. भग्यार	491
			4. कुशला	
		3. प्रा0पा0 घीडी	5. खरलोह	
			6. नैहन्दल	406
			7. घीडी	
9.	खिलड़ा	1. प्रा0पा0 मंगलाह	1. धारण्डा-1	473
			2. धारण्डा-2	
		2. प्रा0पा0 धारण्डा	3. धारण्डा-3	1216
			4. धारण्डा-4	
			5. धारण्डा-5	
			6. खिलड़ा-1	
			7. खिलड़ा-2	
10.	कलौहड़	1. सहकारी भवन कलौहड़	1. कलौहड़-1	186

हस्ताक्षरित/-
प्राधिकृत अधिकारी,
उपमण्डलाधिकारी (ना0),
सुन्दरनगर, जिला मण्डी ।

OFFICE OF THE DISTRICT MAGISTRATE, UNA-CUM-COMPETENT AUTHORITY
UNDER NOTARIES RULES, 1956

NOTICE

Una, the 26th June, 1996

No. 639-41/Litigation.—Whereas the following Advocates of Una District have filed applications in this office for appointing them as Notary Public at Una:—

S/Shri:

1. Varinder Dogra
2. Naresh Kumar Chabba

3. Sugrib Rana
4. M. R. Sharma
5. Mohan Lal Bhunchal
6. Surinder Nath Bali
7. Narinder Mohan Sharma
8. Satish Chander Soni
9. Miss Usha Vashishtha
10. Gurbax Singh
11. Ajmer Singh Vaid
12. Vijay Singh
13. Sunil Dutt Verma
14. Dharam Singh Raman
15. Gambhir Singh
16. Pran Nath Sachedeva
17. Vijay Kumar Sharma
18. N. K. Bali

And whereas the applications of above said Advocates have been examined in pursuance of rule 6(1) of the Notaries Rules, 1956 and the undersigned is satisfied that the applications fulfil the requisite qualifications as provided under rule 3 and 4 of the aforesaid rules.

I, Dr. A. V. Prasad, District Magistrate, Una exercising the powers of Competent Authority under the Notaries Rules, 1956 in terms of sub rule 2 of rule 6 of the rules *ibid* do hereby publish their names for inviting objections from the general public if any, to the appointment of above Advocates as Notary Public at Una within the jurisdiction of Una Sub Division which should be sent/submitted to this office within 14 days of the publication of this notice in the Himachal Pradesh Rajpatra, otherwise it shall be concluded that there is no objection in this regard to any person and recommendations for appointment as a Notary public in respect of above said Advocates at Una Sub Division shall be made to the State Government as provided under 7 of the Notaries Rules, 1956.

DR. A. V. PRASAD,
Sd/-
District Magistrate, Una,
-cum-
Competent Authority Under
Notaries Rules, 1956.